

Padma Shri



ACHARYA SHRI KISHORE KUNAL (POSTHUMOUS)

Acharya Shri Kishore Kunal is known for playing his significant role in paving the way for the construction of a grand temple of Ram Lalla at Ayodhya's Ram Janmabhoomi.

2. Born on 10th August, 1950, Shri Kunal during his tenure as Superintendent of Police in Patna, in 1983-1984 got the Mahavir Mandir, Patna reconstructed and regulated the financial discipline which led to an increase in the income of Mahavir Mandir, Patna from Rs. 12000 monthly to Rs. 350 crores annually at present. In 1989, he was appointed as the Officer on Special Duty (OSD) in the Special Cell, set up by the Ministry of Home Affairs to resolve the Ayodhya Janmabhoomi temple dispute. He continued to serve as the OSD in the Ayodhya cell during the tenure of three successive Prime Ministers. He authored two historic books "Ayodhya Revisited and Ayodhya Beyond Educated Evidence" spanning 1600 pages on this history of Ayodhya, during the protracted legal battle over the Ram Janmabhoomi in Ayodhya. These books were presented as documentary evidence in the Allahabad High Court and the Supreme Court of India. The map prepared and provided by him proved to be a crucial link in the Supreme Court's verdict in favour of the Ram Janmabhoomi.

3. Shri Kunal inaugurated Ram Rasoi in the Amawa Ram Mandir complex on December 01, 2019, located adjacent to the Ram Janmabhoomi. He also served as the Secretary of the Amawa Ram Mandir, Ayodhya. Here, an average of 10,000 devotees from India and abroad are served high quality free meals daily. Under his leadership, the famous Mahavir Mandir of Patna contributed a total of Rs. 10 crores towards the constructions of the Ram Lalla Temple at Ayodhya. He was invited as a special guest at the "Praan-Pratishtha Ceremony of Ram Lalla" in Ayodhya.

4. Shri Kunal linked religion with social service and established 09 charitable hospitals. In 1989, he founded the Mahavir Arogya Sansthan. In 1998, he established the Mahavir Cancer Sansthan. Today, with 700 beds, Mahavir Cancer Sansthan is the country's second largest cancer hospital, providing subsidised medical care to the poor and needy and free treatment to all patients below 18 years. Just before his demise, he laid the foundation for the country's first cancer hospital for children. He initiated the construction of the grand Virat Ramayan Mandir in Kaithwalia, East Champaran, Bihar.

5. Shri Kunal did remarkable work for the upliftment of Dalits. On 13 June, 1993, a Dalit priest was appointed by him at the Hanuman Mandir in Patna. Similarly, as an administrator of Bihar Rajya Dharmik Nyas Board, he ensured appointments of Dalit priests and trustees at major temples in Bihar and tried to promote unity and social harmony among people of different caste and class. He wrote a book "Dalit Devo Bhava" which was published by the Publication Division, Ministry of Information and Broadcasting, Government of India.

6. Shri Kunal passed away on 29th December, 2024.



आचार्य श्री किशोर कुणाल (मरणोपरांत)

आचार्य श्री किशोर कुणाल को अयोध्या की राम जन्मभूमि में राम लला के भव्य मंदिर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए जाना जाता है।

2. 10 अगस्त 1950 को जन्मे, श्री कुणाल ने वर्ष 1983–1984 में पटना में पुलिस अधीक्षक के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान महावीर मंदिर, पटना का पुनर्निर्माण कराया और वित्तीय अनुशासन को विनियमित किया, जिसके परिणामस्वरूप महावीर मंदिर, पटना की आय 12000 रुपये मासिक से बढ़कर वर्तमान में 350 करोड़ रुपये वार्षिक हो गई। वर्ष 1989 में, उन्हें अयोध्या जन्मभूमि मंदिर विवाद को सुलझाने के लिए गृह मंत्रालय द्वारा गठित विशेष सेल में विशेष कार्य अधिकारी (ओएसडी) के रूप में नियुक्त किया गया था। वह लगातार तीन प्रधानमंत्रियों के कार्यकाल के दौरान अयोध्या सेल में ओएसडी के रूप में काम करते रहे। अयोध्या में राम जन्मभूमि पर लंबी कानूनी लड़ाई के दौरान उन्होंने अयोध्या के इतिहास पर 1600 पृष्ठों की दो ऐतिहासिक पुस्तकें “अयोध्या रिविजिटेड और अयोध्या बियॉन्ड एड्रूस्ड एविडेंस” लिखीं। इन पुस्तकों को इलाहाबाद उच्च न्यायालय और भारत के उच्चतम न्यायालय में साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत किया गया था। उनके द्वारा तैयार एवं प्रदान किया गया मानचित्र राम जन्मभूमि के पक्ष में उच्चतम न्यायालय के फैसले में महत्वपूर्ण कड़ी साबित हुआ।

3. श्री कुणाल ने 01 दिसंबर, 2019 को राम जन्मभूमि से सटे अमावा राम मंदिर परिसर में राम रसोई का उद्घाटन किया। वह अयोध्या के अमावा राम मंदिर के सचिव भी रह चुके हैं। यहाँ प्रतिदिन औसतन भारत और विदेश से आए हुए 10,000 श्रद्धालुओं को उच्च गुणवत्ता वाला भोजन निःशुल्क प्रदान किया जाता है। उनके नेतृत्व में पटना के प्रसिद्ध महावीर मंदिर ने अयोध्या में राम लला मंदिर के निर्माण के लिए कुल 10 करोड़ रुपये का योगदान दिया। आचार्य किशोर कुणाल को अयोध्या में “राम लला के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह” में विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था।

4. श्री कुणाल ने धर्म को समाज सेवा से जोड़ा और 09 धर्मार्थ अस्पताल स्थापित किए। वर्ष 1989 में उन्होंने महावीर आरोग्य संस्थान की स्थापना की। वर्ष 1998 में उन्होंने महावीर कैंसर संस्थान की स्थापना की। आज 700 बिस्तरों वाला महावीर कैंसर संस्थान देश का दूसरा सबसे बड़ा कैंसर अस्पताल है, जो गरीबों और जरूरतमंदों को रियायती दरों पर चिकित्सा सेवा और 18 साल से कम उम्र के सभी रोगियों को मुफ्त इलाज मुहैया कराता है। अपने निधन से ठीक पहले उन्होंने बच्चों के लिए देश के पहले कैंसर अस्पताल की नींव रखी। उन्होंने बिहार के पूर्वी चंपारण के कैथवलिया में भव्य विराट रामायण मंदिर का निर्माण शुरू कराया।

5. श्री कुणाल ने दलितों के उत्थान के लिए उल्लेखनीय कार्य किया। 13 जून, 1993 को पटना के हनुमान मंदिर में दलित पुजारी की नियुक्ति उनके द्वारा की गई थी। इसी प्रकार, बिहार राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड के प्रशासक के रूप में, उन्होंने बिहार के प्रमुख मंदिरों में दलित पुजारियों और ट्रस्टियों की नियुक्ति सुनिश्चित की और विभिन्न जातियों और वर्गों के लोगों के बीच एकता और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने का प्रयास किया। उन्होंने “दलित देवो भव” नामक पुस्तक लिखी, जिसे प्रकाशन विभाग, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रकाशित किया गया।

6. 29 दिसंबर, 2024 को श्री कुणाल का निधन हो गया।